



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पचार पत्र का नाम

कृषि मित्र

दिनांक

27-9-23

पृष्ठ संख्या

3 --

कॉलम

68-

एग्री-टूरिज्म सेंटर में मिलेगी कृषि शोध व अनुसंधानों की जानकारी एचएयू में तैयार हो रहा है एग्री टूरिज्म सेंटर, हरियाणवी त्यंजनों का स्वाद चखेंगे पर्यटक

राजेश सिंह | हिंसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रीकल्चर टूरिज्म काने बढ़ावा देने के लिए एग्री टूरिज्म सेंटर बनाया जा रहा है। यहां एग्री टूरिज्म थीम पार्क बनाए जाने का काम चल रहा है। यूनिवर्सिटी के गेट नंबर चार के साथ बाटनिकल गार्डन के साथ यह सेंटर बनाया जा रहा है। टूरिज्म सेंटर का उद्देश्य लोगों काने ज्यादा से ज्यादा प्रकृति के साथ जुड़ा अकार यूनिवर्सिटी की कृषि संबंधित रिसर्च अकार प्रौद्योगिकी से अवगत करवाना है। इस सेंटर से स्कूल बच्चों के स्टूडेंट्स काने जैव विविधता के बारे

में एग्री-टूरिज्म सेंटर को स्थापित काने का मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकीय को बढ़ावा देना है। प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। विद्यार्थियों को जैव-विविधता के बारे में जानने का भी अवसर मिलेगा।
-प्रो बीआर कामथोज, कुलपति, एचएयू।

में जानने का अवसर मिलेगा। एग्री-टूरिज्म पर्यटन काने बढ़ावा देने में यह सेंटर कारगर संचित होगा। साथ 350 लोगों के बैठने की क्षमता का ओपन एयर थियेटर भी बनाया जा रहा है, जिसमें स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों को कृषि से संबंधित जानकारी मिलेगी।

कृषि पर्यटन केंद्र में बाटनिकल गार्डन, प्रोटीन उद्यान, विटामिन गार्डन, औषधीय उद्यान, एक्वा टिक

प्लांट गार्डन शामिल है। जनसंघी विज्ञान और पादप शरीर क्रिया विज्ञान में देशी और विदेशी पौधों की प्रजातियों का संग्रह किया गया है। जैव-विविधता वाले लगभग 550 पौधों की प्रजातियां यहां देखी जा सकती हैं। गोल्ड फिश उत्पादन की जानकारी देने के लिए ऑरनामेंटल फिश एक्वैरियम की भी व्यवस्था एग्री टूरिज्म सेंटर में की जा रही है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27-9-23	3 --	6-7

एचएयू में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य पर होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन



भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन किया जाएगा। कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाखिस्तान, ताजिकिस्तान व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे।

कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष

2023 को अंतर्राष्ट्रीय खाद्य के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित प्रोत्साह जारी किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतम रामों ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रातिष्ठित किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रायोगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक प्रिव्यू	27-9-23	11 --	3-5

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

हिसार, 26 दिसंबर (आई)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्त्र, पोलैंड, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक कई विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंचन करेंगे। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजार के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी, साथ ही उचित दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित घोषणा जारी किया।



हिसार स्थित हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से उद्बिष्ट होशर का विमोचन करते हुए - 07

अनुसंधान निदेशक डॉ. नीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	27-9-23	10--	3-8

वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए रणनीति पर होगी चर्चा

सम्मेलन में कई देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग

हरिकृषि न्यूज >> हिस्सार



हिस्सार। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से सम्बंधित होरार का विमोचन करती हकूरी के पुस्तकालय प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजार, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना

विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, मिनीरेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संयोजन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव

600 से अधिक वैज्ञानिक व प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

अनुसंधान विदेशक डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षविद्, अधिकारी, प्रमुख कृषि-उद्योग विद्वानों, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रशासित विद्वान, और अरबकोरी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 दिनों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन तकनीकी विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण,

गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विधियों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिक्स, मोलैट, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तांजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। कुलपति एवं इस सम्मेलन के



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाहा	27-9-23	4 --	3-5--

4 से 6 दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन सहित 15 से अधिक देशों के आएंगे वैज्ञानिक

माई सिटी रिपोर्ट

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति ने इस सम्मेलन से संबंधित ब्रोचर जारी किया। सम्मेलन में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्त्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित 15 से अधिक देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को



एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कामांज व अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोचर का विमोचन करते हुए। सोन विधि

अंतरराष्ट्रीय बाजार वर्ष के रूप में मना रहा है। कुलपति काबोज ने बताया कि सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, प्रगतिशील किसान भाग लेंगे इस दौरान वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजार, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग,

फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मांडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थ व्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि विषयों पर मंचन होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब मेसरी	27-9-23	4 --	3-5

हकृवि में होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमरीका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग

» सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी



अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित बोराट वगैरे विमोचन करते हकृवि के कुलपति प्रो. डी.आर. काम्बोज।

य कैम्पा सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे।

हिसार, 26 सितम्बर (चक्र)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसम्बर तक 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.अर. काम्बोज ने बताया कि इन तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, फॉर्न, इजरायल, फिलीपींस, कनाडा, इत्यादि

देशों ने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए जलवायु, फसल उत्पादन के लिए पारंपरिक प्रजाति, जीव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडेलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानीकरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संरक्षण, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवस्था के लिए कृषि में महत्वपूर्ण योगदान,

जलकृषि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विधियों पर महत्वा से चर्चा कर मंचन किया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. नीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
इनक जगरा	27-9-23	4 --	7-8--

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन चार दिसंबर से, कई देशों के वैज्ञानिक आएंगे

जगरण संवाददाता, हिंसार : हरियाणा व स्वास्थ्य, प्राकृतिक एवं जैविक कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खेती सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर चार से छह दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। सम्मेलन में वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

व स्वास्थ्य, प्राकृतिक एवं जैविक खेती सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर मंचन किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजार के रूप में मना रहा है। कुलपति ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित प्रोत्साहन जारी किया। अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्योग, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, प्रदर्शनी भी लगई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञात समाचार	27-9-23	5 --	3-5

हकृवि में 4 से 6 दिसम्बर तक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग : प्रो. काम्बोज

हिसार, 26 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए एग्रीकल्चर विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजार, फसल सुरक्षा के लिए पारंपरिक प्रजन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना

विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सहायताकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि आवश्यकताओं के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृषि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अनैतिक तनाव प्रबंधन के लिए एग्रीकल्चर, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विधियों पर गहनता से चर्चा

कर मंचन किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजार के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी, साथ ही उचित दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित घोषणा जारी किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	26.9.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग

शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे

सिटी पल्स न्यूज, हिंसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जपान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इनराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित डेस्क का शिर्षक करते हुए।

सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजार, फसल

सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जीव प्रौद्योगिकी, जीव सूचना विज्ञान, अनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जिनोमिक्स,

प्रॉटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मांडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी

स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवस्था के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जैतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	26.9.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्त्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व कन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजार, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजार के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी, साथ ही उचित दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित घोषणा जारी किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	26.9.2023	--	--

हकृषि में 4 से 8 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्व खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 8 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्त्र, पोर्लैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व कन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक

भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए खाद्य, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजात, जीव प्रौद्योगिकी, जीव सूचना विज्ञान, अनुवांशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जेनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव-मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवस्था के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीववस्तु, जलकृषि, प्रशुधन, फसल उत्पादन

सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंचन किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय खाद्य के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी, साथ ही

उचित दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित जोश जारी किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रारंभिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	26.9.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग : प्रो. काम्बोज

सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी

हिसार, 26 दिसंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए लक्ष्यीत विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. पी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जपान, उत्तरी अफ्रीका, ब्राजील, कोलंबिया, इजराइल, फिलीपींस, कजाखिस्तान, रूसिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए खाद्य, फसल सुरक्षा के लिए पारंपरिक प्रजा, जैव प्रौद्योगिकी, जैव मूल्य विज्ञान, अनुवांशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिकस जेनेमिक्स, प्रोटीओमिक्स, कृषि अनुसंधान में बोटोलिंग, सिमुलेशन फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन,



किरण सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संघर्ष, कृषि व्यवसाय, कृषि अवैश्वर्यता के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृषि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-आर्थिक तथा प्रबंधन के लिए लक्ष्यीत, खाद्य कृषि के लिए स्थानांतरण, पारंपरिक ऊर्जा संयोजन व डिजिटलीकरण, जनसमु प्रतिक्रिया, विकास के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत

वेबो, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा को पूर्णता व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं वैश्विक खेती विषयों पर सहजता से चर्चा का ध्यान किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा के वर्ष में मन रत है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन संयोजक व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संबंधित प्रेरण जारी

किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जैतम राम ने कहा कि इस सम्मेलन में 800 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षार्थी, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्योग, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रौद्योगिकी निदेशक, सारकारी संस्तरों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रारंभिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	26.9.2023	--	--

हकृवि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को होगा लाभ: प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज
हिसार, 26 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और नन्व किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिवाई के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि बीजूरा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकृवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। जब टम वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 इबाद की गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सत्रों व राई कार्यक्रमों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपसहानिदेशक (कमल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में

यदित पहचान कमेटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में समय पर बिवाई के लिए चिन्हित किया गया है।
पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक
कुलपति ने कहा कि 11-12 बिन्टल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 बिन्टल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 फीसद तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे मिलान उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की अधिक स्थिति को बत मिलेगा।
दुसरे वर्षों के किसानों को होगा लाभ
कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बीवाई के लिए चिन्हित की



गई है। इसलिए इन वर्षों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज उपलब्ध कराने का एक उपाय भी किया गया है।
दोसरे वर्षों की बी बी दो नन्व किस्मों
अनुसंधान निदेशक डॉ. जोगराज शर्मा के अनुसार इस किस्म को हकृवि के सत्रों वैज्ञानिकों डॉ. राम अजय, डॉ. नीरज, डॉ. अशोक

व डॉ. अशोक कुमार को रोम ने डॉ. राजेंद्र पुनिया, डॉ. निहा कुशवा, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. जगदीश एन. डॉ. राजेश्वरी सिंह के सहयोग से विकसित किया है। उन्होंने बताया कि इस रोम ने गत वर्ष भी सरसों को दो किस्मों आर.एच. 1424 व आर.एच. 1706 विकसित की है। ये किस्में भी सरसों की उत्पादन बढ़ाने में मील का पत्थर बनेंगी होगी। उन्होंने बताया सरसों अनुसंधान में

उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस रोम को हाल ही में जम्मू में आयोजित कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से भी नवाजा गया है।
सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में शामिल हकृवि सरसों केंद्र
कृषि विश्वविद्यालय के अधिपत्य डॉ. एमके पाटिल ने बताया कि हकृवि के सत्रों केंद्र को देश के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में गिनती होती है। उपरोक्त किस्मों में पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आर.एच. 725 उत्तम के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक प्रचलित व लोकप्रिय बन चुकी है जोकि हरियाणा के अलावा पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अकेली उगाई जाने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 बिन्टल प्रति एकड़ पैदावार अलग से दे रही है व इसकी उत्पादन क्षमता भी 14-15 बिन्टल प्रति एकड़ तक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि किरण न्यूज	26.9.2023	--	--

एकड़ में सरसों की एक और नई किस्म अराध 1975 विकसित की
 होषिया सहित संकाय दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को देना लाभ, कुलवर्षी

द्वितीय। होषिया कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और नए किस्म अराध 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समग्र पत्र विज्ञान के लिए एक उत्तम किस्म है जो कि नोबल किस्म अराध 745 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। अराध 745 किस्म एक ही में वर्ष 2019 में विकसित की थी। अब इस वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म अराध 1975 पैदा की गई है जो कि अधिक उत्पादन के साथ किसानों के लिए बेहतर लाभदायक सिद्ध होगी।

विश्वविद्यालय के कुलवर्षी प्रो. बी.एन. कामेश्वर ने बताया कि जम्मू में अक्टूबर 2019 तकिक सरसों व नई संकायगत में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपसहनिदेशक (फरक) डॉ. टी.आर. रानी की अध्यक्षता में गठित पाचन समेटी द्वारा हाल में अराध 1975 किस्म को सिंचित क्षेत्रों में समग्र पत्र विज्ञान के लिए विकसित किया गया है। कुलवर्षी ने कहा कि 10-12 डिग्री प्रति सेंटीग्रेड औसत उत्पादन 30-15 डिग्री प्रति सेंटीग्रेड उत्पादन क्षमता रखने वाली अराध 1975 किस्म में लगभग 33.5 फीसद तेज की मात्रा है जिसके बजाय 28 किस्म 25 किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इसके उत्पादन उत्पादन में बढ़ी के साथ किसानों की अधिक पिकिंग को बढ़ा मिलेगा।

कुलवर्षी प्रो. बी.एन. कामेश्वर ने बताया कि अराध 1975 किस्म होषिया सहित संकाय दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बीवाई के लिए विकसित की गई है। इसीलिए इन जगहों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज अपने साथ एक उपहार करके दिया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. अशोक शर्मा के अनुसार इस किस्म की इसी के सरसों पैदावारों डॉ. राम शंकर, डॉ. संजय डॉ. मनीष व डॉ. अशोक कुमार को टीम ने डॉ. राजेश दुनिया, डॉ. निशा कुमारी, डॉ. विनोद रायच, डॉ. महावीर एच. डॉ. राजेश सिंह के सहयोग से तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस टीम ने 10 वर्ष भी सरसों को दो किस्मों अराध 1424 व अराध 1706 विकसित की है। वे किस्मों को सरसों की उत्पादकता बढ़ाने में सौत का पथर सचिव होगी। उन्होंने बताया सरसों अनुसंधान में एकदम सारा करने के लिए इस टीम को हाल ही में जम्मू में अक्टूबर कार्यवाला में सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से भी नवाज गया है।

कृषि महाविद्यालय के अध्यक्षता डॉ. इसके पार्श्व में बताया कि इसी के सरसों केंद्र की देख के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में मिननी होती है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म अराध 725 आठ के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक प्रसिद्ध व लोकप्रिय 25 चुकी है। जैक होषियाक के अराध पूर्ण, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अकेली उत्पाद करने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 डिग्री प्रति सेंटीग्रेड पैदावार जमान से दे रही है व इसकी उत्पादन क्षमता भी 14-15 डिग्री प्रति सेंटीग्रेड तक है।

